संसद भवन में लोक सभा सचिवालय के अधिकारियों/कर्मचारियों के मेधावी बच्चों के सम्मान समारोह में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

देश की संसद के सभी कर्मचारी और अधिकारीगण। आपकी कड़ी मेहनत एवं अथक परिश्रम से हमने भारत के लोकतंत्र को सशक्त और मजबूत किया है। इस लोकतंत्र की 75 साल की यात्रा में संसद के माध्यम से लोगों की आशाएं-अपेक्षाएं पूरी हों, लोगों का लोकतंत्र पर विश्वास और गहरा हो तथा उनकी आस्था बढ़े, इसके लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। आपका यह सौभाग्य है कि इस लोकतंत्र की यात्रा में आप सहभागी बने। लोक सभा सचिवालय हमारा एक परिवार है। परिवार होने के नाते एक लंबे समय तक हम साथ-साथ काम करते हुए अपने सुख-दुख का बंटवारा भी यहां पर करते हैं।

सबके सहयोग से एक अच्छा वातावरण बने, इसके लिए समय-समय पर लोक सभा सचिवालय की कल्याण शाखा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है। मैंने पूर्व में भी कहा था कि लोक सभा सचिवालय की कल्याण शाखा को ऐसा लगना चाहिए कि हमारा जो लोक सभा परिवार है, वह बहुत संगठित परिवार है। हम संगठित होने के साथ-साथ अपनी संस्कृति और सभी धर्मों का आदर करते हैं और सभी मिलकर एक-दूसरे की खुशी बाँटने का काम करते हैं। इसके साथ-साथ हमारे बेटों-बेटियों को भी इस संस्था का लाभ मिले। जो कुछ भी इस संस्था के पास है, लोकतंत्र के पहले, लोकतंत्र के बाद के जो भी डॉक्यूमेंट्स हैं, चर्चाएं हैं, संवाद हैं, कानून की बात है, हमारी लाइब्रेरी है, इन सबका लाभ भी लोक सभा सचिवालय के परिवार के बेटों, बेटियों को मिलना चाहिए ताकि वे अपनी-अपनी शिक्षा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ काम कर सकें। एक नये भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण में अपना सहयोग दे सकें। भारत की विकास यात्रा में, भारत की नई सोच में, नए इनोवेशन में, नई रिसर्च में उनका भी योगदान रहे। लोक सभा सचिवालय के परिवार के लोगों को, जो हम कहते हैं कि यह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ

लाइब्रेरी है, हमारे पास सबसे बेस्ट, सर्वश्रेष्ठ रिसर्च विंग है, उसका लाभ इन सभी मेधावी छात्रों को और सभी छात्रों को मिलना चाहिए ताकि आने वाले समय में देश के अंदर कोई भी कम्पटीशन हो, कोई भी प्रतियोगिता हो, कोई भी परीक्षा हो, उसमें लोक सभा के कर्मचारियों के बेटे और बेटी अव्वल रहें, यह हम सबका सामूहिक दायित्व है।

मैं आज इन सभी बालक, बालिकाओं को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ, बधाई देता हूँ कि उनको मेधावी पुरस्कार मिला है। इस तरह के पुरस्कारों से अन्य लोगों, नौजवानों को प्रेरणा मिलती है, हमारे साथियों को प्रेरणा मिलती है। वे भी और कड़ी मेहनत, परिश्रम करते हैं कि अगली बार मैं भी पुरस्कार प्राप्त करूँ। इसके लिए इस तरह के पुरस्कार समारोह के आयोजन किए जाते हैं। यह वर्ष 2017, वर्ष 2018, वर्ष 2019, वर्ष 2020 और वर्ष 2021, 5 साल के मेधावी छात्रों को पुरस्कार मिला है। कुछ कोरोना काल और कुछ अन्य कारण रहे होंगे, लेकिन कोशिश करें कि हर वर्ष का पुरस्कार उसी वर्ष दें ताकि अगली बार और नए छात्र इनसे प्रेरणा लेकर और कड़ी मेहनत करें। ऐसा होने से भविष्य में हम यह कह सकते हैं कि केवल लोक सभा परिवार ही कार्य करने में श्रेष्ठ नहीं है, उनके पुत्र और पुत्री भी पढ़ने में श्रेष्ठ हैं। यह संदेश हम सब जगह पहुँचा सकते हैं। इसी के साथ-साथ मैं कल्याण शाखा से यह भी आग्रह करूँगा कि आप वर्ष भर का एक कैलेंडर बनाइए और यह देखिए कि वर्ष भर के कैलेंडर के अनुसार किस तरीके से इस तरह के सामान्य आयोजन किए जा सकते हैं। हमारी कार्य प्रणाली में श्रेष्ठता आने के साथ-साथ एक अच्छा वातावरण बने, एक अच्छा माहौल बने, एक पारिवारिक माहौल बने। लोक सभा सचिवालय के हर परिवार का दूसरे परिवारों से निकट का संबंध हो, क्योंकि सभी लोग अलग-अलग प्रदेशों से, अलग-अलग जातियों से, अलग-अलग धर्मों से, अलग-अलग संस्कृति, अलग-अलग वेश भूषा से आते हैं। यह परिवार एक ऐसा संगठित परिवार होना चाहिए, जैसे हम लोकतंत्र में कहते हैं कि विविधता ही हमारी ताकत है, विशालता हमारी ताकत है, इसी तरीके से इस लोक सभा सचिवालय के अंदर भी हमारे अलग-अलग धर्म, अलग-अलग संस्कृति, अलग-

अलग कार्य प्रणाली और हमारी विविधता हमारी ताकत है। हम किस तरीके से सामूहिकता के साथ काम करते हैं, मिलकर काम करते हैं और श्रेष्ठ काम करते हैं।

हमेशा जब लोकतंत्र के अंदर सचिवालयों की चर्चा हो तो हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि लोक सभा सचिवालय का कार्य श्रेष्ठ भी है और प्रेरणा देने वाला भी है। हम देश की अन्य लोकतांत्रिक संस्थाओं, वहाँ की परम्परा, वहाँ की कार्य प्रणाली में और कुशलता ला सकें, इसके लिए हमें लगातार प्रयास करते रहना चाहिए, लगातार चर्चा करते रहना चाहिए और नए इनोवेशन करने चाहिए। बदलते तकनीकी, प्रौद्योगिकी के इस युग में हम किस तरीके से अपने आपको बेस्ट बना सकते हैं, सर्वश्रेष्ठ बना सकते हैं, इसके लिए हमारी तरफ से लगातार प्रयास होते रहने चाहिए। इसके लिए भी हम लगातार अच्छे कर्मचारियों को पुरस्कृत करें और इसके साथ-साथ जो हमारे लोक सचिवालय के परिवार के लोग हैं, उनका गेट-टूगेदर होता रहे।

मैं पुन: आप सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देता हूँ, बधाई देता हूँ और आने वाले समय में हम सब सामूहिकता के साथ मिलकर वर्ष भर इसी तरीके से उत्साह, उमंग, उल्लास से काम करें। इस तरह के पुरस्कार वितरण हों। अपनी सर्वश्रेष्ठ कार्य प्रणाली, पद्धतियों का आदान-प्रदान करते हुए देश की इन लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त, मजबूत करने में हमारी भूमिका हो। हम जनप्रतिनिधियों को उनका बेस्ट, सर्वश्रेष्ठ काम करने में सहयोग कर सकें ताकि वे सदन के अंदर एक बेहतर कार्य कुशलता से काम कर सकें। हम उनके कार्य में सहयोग के लिए हमेशा सर्वश्रेष्ठ रूप से उनको अपना सहयोग देते रहें।